बाएं: जेम्स कुक, दक्षिण समुद्र के लिए रवाना होते हुए.

नीचे: व्हिटबी की उनकी पहली झलक.

बड़े लोगों का बचपन

कप्तान जेम्स कुक

महान नाविक

युवा जेम्स कुक एक किराने की दुकान में काम करता था, लेकिन समुद्र ने उसे आकर्षित किया.

वर्ष 1742 की शुरुआत में एक लड़का एक खुरदुरे बिस्तर पर लेटा था. वो चारों ओर किराने के सामान के बक्सों और बोरियों से घिरा था. वो वहां से ऊँची चट्टानों से टकराती लहरों को सुन सकता था. चौदह वर्षीय जेम्स कुक, उत्तरी यॉर्कशायर तट पर स्टैथेस में, एक किराना स्टोर के मालिक विलियम सैंडरसन के साथ काम करता था. समुद्र, दुकान के इतने करीब था कि कभी-कभी पानी की बौछार दुकान पर आ जाती थी.

युवा कुक 18 महीने से भी कम समय तक खारे पानी के पास रहा. पर समुद्र ने उसे मोहित कर लिया. चट्टान के ऊपर चढ़कर, उसने व्यस्त पूर्वी तट मार्ग पर जाने वाले महान जहाजों को देखने में घंटों बिताए.

जेम्स समुद्र से बहुत दूर पैदा हुआ था. उसका जन्म 27 अक्टूबर, 1728 को टीज़ की घाटी में मोर्टन में हुआ था. वो आयटन गांव में स्कूल गया.

उसने विलियम सैंडरसन के साथ काम करने के लिए 15 मील की दूरी तय की. लेकिन अब उसे सामान की थैलियों को तौलना और दिन भर के काम के बाद साफ-सफाई करना पसंद नहीं था.

मिस्टर सैंडरसन ने जेम्स के दिवास्वप्न को समझ गए क्योंकि वो हर समय छोटे बंदरगाह को घूरता रहता था जहाँ मछुआरे अपनी रंगीन कोबल्स (पुरानी वाइकिंग जैसी नावों) को तैराते थे.

दुकान मालिक ने तुरंत ही अपने सहायक की अरुचि पर ध्यान दिया. वो कुक को 10 मील व्हिटबी ले गए, जो टीज़ और हंबर के बीच सबसे व्यस्त बंदरगाह था और वहां उन्होंने कुक को वॉकर नाम के जहाज मालिकों के एक क्वेकर परिवार से मिलवाया.

व्हिटबी में जेम्स कुक ने पहली बार किसी जहाज पर कदम रखा और एक नाविक का धंधा सीखा - उस धंधे ने उन्हें बाद एक प्रसिद्ध नाविक बनाया.

हम कुक के पिता का नाम या उनके वंश के बारे में नहीं जानते हैं. माना जाता है कि वो नॉर्थम्बरलैंड या स्कॉटलैंड से आए थे. जब जेम्स कुक का जन्म हुआ, वो सात या आठ बच्चों में से दूसरे थे, तब परिवार के पास दो कमरों वाली, फूस की झोपड़ी थी, जो कि टीज़ की घाटी में एक छोटे गांव में थी, जहां लगभग 40 लोग रहते थे.

मिस्टर कुक एक दिहाड़ी मजदूर थे. 70 वर्ष की आयु तक वो न तो पढ़ सकते थे और न ही लिख सकते थे. फिर उन्हें पढ़ना सिखाया गया ताकि वो अपने बेटे के कारनामों की खबरों का आनंद ले सकें. मिसेज़ कुक, जिनका नाम ग्रेस था, की मृत्यु हो तब हुई जब जेम्स तीस साल का था.

जब कुक परिवार ग्रेट आयटन गांव में शिफ्ट हुआ, तो जेम्स के पिता ने खुद अपने घर का निर्माण किया. उन्होंने उस जिले के रिवाज के अनुसार लाल टाइलों की एक छत बनाई, और उन्होंने गर्व से अपने और अपनी पत्नी के नाम को दरवाजे के ऊपर के पत्थर पर उकेरा.

उनका वेतन स्थानीय स्क्वायर, थॉमस स्कोटोवे देता था, जिन्हें जेम्स कुक इतना बुद्धिमान और तेज-तर्रार लगा कि उन्होंने उसकी स्कूली शिक्षा के लिए फीस भरी.

किराने की दुकान में.

अभी तक कुक देहात में ही रहा था. लेकिन वो समुद्र की अपनी पहली झलक को कभी नहीं भूल पाया. फिर उसने स्टैथेस की लंबी और एकांत यात्रा पूरी की.

बाद में, व्हिटबी में, वो वॉकर परिवार के साथ ग्रेप-लेन में उनके घर में रहा, जहाँ वो पीछे की खिड़कियों से ऊपर के बंदरगाह को देख सकता था, जिसे केवल 12 साल पहले ही सुधारा गया था.

व्हिटबी में इतने सारे जहाज थे कि उनके मस्तूल एक पत्ती रहित जंगल जैसे दिखते थे.

व्हिटबी की संकरी, घुमावदार गलियों से भटकते समय उसने जहाज निर्माण और उनकी मरम्मत देखी और लोगों को रस्सी बनाते हुए देखा, या दूर-दराज़ के देशों की कहानियाँ सुनीं, उसने मज़दूरों के हथोड़ों की आवाज सुनी जो तख्तों के बीच वाटर-प्रूफिंग का मसाला भर रहे थे. वॉकर्स परिवार के पास कोयले के साथ-साथ लाभदायक ईस्ट कोस्ट का व्यापार भी था. वो अपने जहाजों को बाल्टिक में भी व्यापर करने भेजते थे.

जेम्स कुक ने पहली बार अपने पैरों के नीचे एक डेक को तब महसूस किया जब उसने 450 टन के "फ्रीलोव" नामक एक कोयले के जहाज़ के साथ व्हिटबी बंदरगाह को छोड़ा.

वो इस प्रकार के व्हिटबी-निर्मित जहाजों को इतनी अच्छी तरह से जानता था कि जब बाद के में जीवन में, उसने दक्षिण समुद्र में अभियानों की योजना बनाई, तो उसने उन्हीं जहाज़ों को ले जाने के लिए चुना. वो जानता था कि उनकी लकड़ी मजबूत होगी और उन्हें सुरक्षित रूप से नेविगेट करने में वो सक्षम होगा.

एक नाविक के रूप में, फिर एक साथी के रूप में, उसने वॉकर्स के साथ काम किया. फिर वो रॉयल नेवी में शामिल हो गया, और फिर नॉर्थ यॉर्कशायर ने उसे तभी देखा जब वो अपने लंबे अभियानों के लिए वहां के जहाज़ चाहता था.